रविवासरीय
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
www.livehindustan.com
रविवार
2 अक्तूबर 2022, गाजियाबाद, नगर संस्करण
● पांच प्रदेश ● 21 संस्करण

सप्तमं कालरात्रि

जयन्ती मंगला काली
भद्रकाली कपालिनी।
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री
स्वाहा
स्वधा नमोस्तु ते।।

ग्रैप लागू होने के बाद भी मानकों के पालन में हो रही खानापूर्ति

ग्रैप लागू होने के बाद भी शनिवार को इसके मानकों का पालन नहीं हुआ। औद्योगिक समेत विभिन्न योजनाओं की सड़कों पर पूरा दिन धूल उड़ती नजर आई। बड़े निर्माण कार्यों में भी निर्माण सामग्री को ढककर नहीं रखा गया। सरकारी विभागों की लापरवाही के कारण सड़कों के किनारे पानी का छिड़काव तक नहीं हो सका।

गाजियाबाद। वायु प्रदूषण पर प्रभावी रोकथाम के लिए शनिवार से ग्रैप लागू हो गया है। इससे जिले के करीब आठ हजार उद्योगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जिनमें बिजली गुल होने की स्थिति में वैकल्पिक इंधन का प्रयोग अनिवार्य होता है। हालांकि, ग्रैप लागू होने के पहले भी शनिवार को अधिकांश औद्योगिक फीडर से निर्बाध बिजली की आपूर्ति की जा रही है। पहले दिन बिजली नहीं जाने के कारण उद्यमियों को कोई दिक्कत नहीं हुई, लेकिन आगे बिजली कटौती होती है, तो उद्योगों की मुश्किल बढ़ सकती है।

जिले में सूक्ष्म, लघु, मझोले और बड़े श्रेणी के 28 हजार से अधिक उद्योग है। इन उद्योगों में 10 केवीए से लेकर उच्च क्षमता वाले जनरेटर का प्रयोग बिजली गुल होने की स्थिति में वैकल्पिक ईंधन के रूप में होता है।

इनमें से सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के करीब आठ हजार कल-कारखाने हैं, जिनमें वैकल्पिक रूप से जनरेटर का प्रयोग बिजली गुल होने पर किया जाता है। ग्रैप लागू होने के बाद इन उद्योग के मालिकों के सामने बड़ी चुनौती आ गई है। बगैर पीएनजी से संचालित उद्योगों पर भी बंदी की तलवार लटक गई है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप गुप्ता ने बताया कि वायु गुणवत्ता सुधार आयोग की ओर से 1 अक्टूबर से बगैर पीएनजी इंधन वाले सभी प्रकार के औद्योगिक इकाइयों के संचालन पर प्रतिबंध लागू किया गया है। वही जनरेटर पर भी प्रतिबंध है। इससे जिले की करीब 15 से 20 हजार उद्योग ऐसे हैं जिनके सामने परेशानी आ गई।

कवि नगर औद्योगिक क्षेत्र के मुख्य मार्ग बदहाल होने के कारण गुजरते वाहनों से उड़ती धूल। ● इमरान

क्षतिग्रस्त सड़कों पर उड़ रही धूल

सीन 1

कविनगर औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों का बुरा हाल है। सड़कें जर्जर होने से दिनभर धूल उड़ती है। ऐसे में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। इससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। बारिश के बाद सड़कों की स्थिति ज्यादा खराब हो गई। औद्योगिक क्षेत्र में भारी वाहन आते हैं। इससे सड़कें ज्यादा खराब हो रही है। वहीं, सोसाइटी और कॉलोनियों की टूटी सड़कों पर धूल उड़ने से प्रदूषण फैल रहा है। संबंधित विभागों के अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा। लोगों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी कोई समाधान नहीं किया जा रहा है।

राजनगर एक्सटेंशन में निर्माण कार्य चल रहा

सीन 2

राजनगर एक्सटेंशन में कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। साइट पर ना तो निर्माण सामग्री को ढककर रखा गया और ना ही पानी का छिड़काव हुआ। कई प्रोजेक्ट पर एंटी स्मॉग गन भी नजर नहीं आई। हर तरफ मानकों का पालन करने की व्यवस्था नजर नहीं आई। जबकि ग्रैप लागू होने के बाद उसके मानकों का पालन करने की सभी को हिदायत दी गई है क्रेडाई एनसीआर के अध्यक्ष मनोज गौड़ ने बताया कि क्रेडाई के सभी सदस्यों को एनजीटी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी है।

28 हजार सूक्ष्म, लघु और बड़े श्रेणी के उद्योग हैं जिले में

एक साल से एंटी स्मॉग गन चालू नहीं हो सकी

सीन 3

नगर निगम मुख्यालय की छत पर पानी का छिड़काव करने के लिए एक साल पहले एंटी स्मॉग गन लगाई गई थी। एक साल के बाद भी एंटी स्मॉग गन शुरू नहीं हो सकी। जबकि वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने लगा है। एंटी स्मॉग गन बिना इस्तेमाल के खराब होने लगी है। पार्षद भी कई बार सवाल उठा चुके कि जब इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना था तो फिर खरीदा क्यों गया। पार्षद कई बार नाराजगी जता चुके हैं।